Title: Requests the Central Government to intervene to look into the closure and problems of Aligarh Muslim University.

श्री मोहम्मद अली अशरफ फातमी (दरभंगा): अध्यक्ष जी, मैं आपके माध्यम से सरकार का ध्यान और खासकर एजुकेशन मिनिस्टर का ध्यान इस बारे में दिलाना चाहता हूं। अलीगढ़ मुस्लिम यूनिवर्सिटी हिन्दुस्तान की सबसे बड़ी रेज़िडेंशियल यूनिवर्सिटी है। यह यूनिवर्सिटी काफी समय से तकलीफ के दौर से गुज़र रही है। आज वहां पर तीन लड़के हंगर स्ट्राइक पर टिल डैथ बैठे हुये हैं। मैं आपके माध्यम से हाउस को बताना चाहता हूं कि पिछले तीन सालों के अंदर यह प्रेस्टिजियस यूनिवर्सिटी तीन मर्तबा बंद की गई है। वहां की इंतज़ामिया एक डिक्टेटर की तरह काम कर रही है। वहां के जितने डैमोक्रेटिक इंस्टीटयुशन्स हैं, वे काम नहीं कर रहे हैं। वहां पर न तो कोई कोर्ट है, न कोई अकेडेमिक कौसिल है और न वहां पर कोई स्टूडेंटस यूनियन है ताकि वे लड़के अपनी बात कह सकें।

आज यूनिवर्सिटी बहुत बुरी हालत से गुज़र रही है। यहां तक कि लड़कों को ज़बर्दस्ती होस्टल से निकाल कर बाहर कर दिया गया। वहां पर हज़ारों लड़कियां रहती हैं, उनको भी बाहर निकलना पड़ा। आज जो वहां पर वाइस चांसलर हैं, या वहां की जो इंतज़ामियां हैं, क्रिमिनल लड़कों से यूनिवर्सिटी के लड़कों को पिटवाने का काम कर रहे हैं। वहां की सरकार और वहां की पुलिस लड़कों के ऊपर ज़ुल्म और ज़यादती कर रही है। रेल मंत्री (श्री नीतीश कुमार): क्या दरभंगा की बात कर रहे हैं?

श्री मोहम्मद अली अशरफ फातमी : मैं अलीगढ़ मुस्लिम यूनिवर्सिटी की बात बता रहा हूं। दरभंगा में ऐसा कुछ नहीं हो रहा है। वह बिहार में आता है।

आज जो हालत अलीगढ़ की है, उसमें तालीमी माहौल बिगड़ गया है और लगातार हर साल एक मर्तबा यूनिवर्सिटी बंद कर दी जाती है तो आप सोचिये कि उस यूनिवर्सिटी का क्या हाल होगा। मैं यह कहना चाहता हूं कि आज जो बजट वहां का है, वह भी यूनिवर्सिटी कोर्ट में पास नहीं होता। वाइस चांसलर पता नहीं किस प्रकार से यूनिवर्सिटी का बजट यहां भेज देते हैं और पार्लियामेंट उसको पास कर देती है। ऐडमीशन्स में घपले हो रहे हैं। मेडिकल का क्वश्चन पेपर आउट हो गया। ये सब चीजें देखने की हैं। इसलिए हमारी मांग है कि आज जो बच्चे ठफास्ट अनटिल डॅथ' पर बैठे हैं और अपनी कुछ मांगें लेकर बैठे हैं, उनकी मांगों को भारत सरकार को देखना चाहिए और वहां पर जो ऐकेडेमिक और डेमोक्रेटिक इंस्टीटयूशन्स हैं उनको बहाल करना चाहिए और इस सारे अफेयर पर सीबीआई इनक वायरी होनी चाहिए। लड़कों के खिलाफ जो विन्डिक्टिव ऐटीटयूड और ऐक्शन लिये गये हैं, वह वापस होने चाहिए और वह लोग जो क्रिमिनल यूनिवल्सिटी के अंदर लड़कों को मारने-पीटने का काम कर रहे हैं, उनके खिलाफ ऐक्शन होना चाहिए। मैं आपसे यह निवेदन करूंगा कि भारत सरकार इस पर अभी कोई न कोई जवाब दे ताकि जो लड़के हंगर स्ट्राइक पर बैठे हैं, वह उठ सकें और यूनिवर्सिटी दोबारा खुल सके। वहां बहुत ही बुरा हाल है। आज हिन्दुस्तान की सबसे बड़ी रेज़डेन्शियल यूनिवर्सिटी वह है। मैं चाहूंगा कि सरकार इस मामले में कुछ न कुछ बोले ताकि वहां के माहौल को ठीक किया जा सके।

श्रीमती सूर्यकांता पाटील (हिंगोली) : वह रोज़ पार्टिसिपेट करते हैं, मैं बहुत कम बोलती हूं। मेरा बहुत अहम मुद्दा है।

SHRI G.M. BANATWALLA (PONNANI): Sir, on the same matter I have also given notice.
MR. SPEAKER: On the same matter, he is going to speak.
... (Interruptions)

श्री राम विलास पासवान (हाजीपुर) : अध्यक्ष जी, फातमी जी ने जो सवाल उठाया है, वह बहुत महत्वपूर्ण है। मैं समझता हूं कि अलीगढ़ मुस्लिम यूनिवर्सिटी के लड़के आपसे और सभी पार्टी के लीडर्स से मिल रहे हैं और यह पिछले ४ नवंबर से बंद है। वहां की स्थिति बहुत ही विस्फोटक है। मैं डीटेल में नहीं जाना चाहता हूं और न ही वाइस चांसलर या डिसट्रिक्ट ऐडमिनिस्ट्रेशन पर कोई ऐलीगेशन लगाना चाहता हूं, लेकिन मैं यह ज़रूर चाहता हूं कि भारत सरकार इंटरफियर करके जल्दी से जल्दी उसको खुलवाए और इसकी सीबीआई से जांच करे। जार्ज साहब यहां बैठे हैं। मैं एक बात कहना चाहता हूं कि उत्तर प्रदेश में जो माइनॉरिटीज़ की हालत है, तीन घटनाएं हो चुकी हैं। एक कालेज की घटना अलग हुई है और कालेज बंद है। अली मियां के यहां रेड पड़ी, छापामारी हुई। आप कहेंगे कि नहीं हुई, लेकिन मैं अखबारों की खबरें बता रहा हूं और उसमें आया है कि छापामारी हुई है। वहां पुलिस वाले गए और रात को गए । इतना ही नहीं, इसके पहले भी १९९४ में छापामारी हुई थी और उसकी रिपोर्ट का क्या हुआ? किसी को आप बेइज्ज़त कर दीजिए यह ठीक नहीं है, और अली मियां कोई साधारण आदमी नहीं हैं। उनके घर पर रायबरेली में जाकर छापा मारा और ऐसा ही १९९४ में भी हुआ था। उसकी इनक्वायरी की रिपोर्ट का क्या हुआ, आज तक किसी को जानकारी नहीं मिली। इसलिए हम सरकार से जानना चाहते हैं कि सरकार बतलाए कि छापामारी हुई है और वह पुलिस द्वारा हुई है या आर.एस.एस. और बजरंग दल द्वारा हुई है, इसकी जानकारी सरकार दे।

... (व्यवधान)

डा. विजय सोनकर शास्त्री (सैदपुर): आर.एस.एस. वाले छापा भी मारने लग गए? ... (व्यवधान)

श्री राम विलास पासवान : ये नहीं बताएंगे, मंत्री जी बताएंगे। मंत्री जी को डिनाई करना है तो वह करेंगे।

... (व्यवधान)

डा. विजय सोनकर शास्त्री : इसको रेकार्ड से बाहर करवाया जाए।

... (व्यवधान)

MR. SPEAKER: Let him complete.
... (Interruptions)
MR. SPEAKER: Hon. Members, please take your seats.
... (Interruptions)

डा. विजय सोनकर शास्त्री : इस तरह की बात नहीं होनी चाहिए। सदन की गरिमा का ख्याल रखना चाहिए। अध्यक्ष महोदय, इस तरह से नहीं होना चाहिए, इस शब्द को आप बाहर निकालने के लिए कहे। मेरी आपसे विनयपूर्वक प्रार्थना है कि आप इस शब्द को बाहर निकलवाइये।

... (व्यवधान)

श्री राम विलास पासवान : अध्यक्ष जी, २५ नवम्बर को प्रधान मंत्री जी ने कहा है कि उत्तर प्रदेश की सरकार ने वंदेमातरम् के संबंध में कोई आदेश जारी नहीं किया है। आप आज का जनसत्ता पढ़ लें, उसमे साफ लिखा हुआ है कि सरकार की तरफ से आदेश निर्गत किये गये हैं। इसलिए सर, यह कोई मामूली चीज नहीं है कि भारत का प्रधान मंत्री देश को गुमराह करे, भारत का प्रधानमंत्री कहे कि उसने मुख्य मंत्री से बातचीत की है और इस तरह का आदेश नहीं हुआ है।

MR. SPEAKER: Shri Paswan, please conclude now.

श्री राम विलास पासवान : सर, मैं बहुत कम बोलता हूं। जब से आप चेयर पर आये हैं, जब से आप अध्यक्ष पद पर आये हैं, मैं तभी बोलता हूं, जब आप हमें बोलने के लिए कहते हैं, नहीं तो मैं बोलता नहीं हूं। मेरा आर.एस.एस. या किसी और से कोई दुराग्रह नहीं है। में इतना ही कहना चाहता हूं कि छापामारी हुई है या नहीं हुई। यदि हुई है तो छापामारी किसने की। खुराना जी, जब आप जवाब दें तो गृह मंत्री जी से पूछकर जवाब दें, ऐसे ही हल्के ढंग से जवाब न दें।

मेरी दूसरी बात यह है कि प्रधान मंत्री जी ने जो कहा कि वंदेमातरम् के ऊपर आदेश जारी नहीं हुआ है। जबकि आज जनसत्ता में निकला है कि उसमें आदेश जारी किया गया है और स्कूल-कालेज में लागू भी है। मेरा तीसरा सवाल अलीगढ़ मुस्लिम यूनिवर्सिटी में सी.बी.आई. इंक्वायरी का है। ये तीनों सवाल माइनोरिटीज से संबंधित हैं। कल भी बिजनेस एडवायजरी कमेटी की बैठक में माइनोरिटीज के सवाल को सीरियसली लिया गया था। मैं समझता हूं कि सरकार इसको गंभीरता से लेकर सदन को जवाब देने का काम करे।

... (व्यवधान)

श्री आरिफ मोहम्मद खां (बहराइच) : अध्यक्ष जी, बहुत-बहुत धन्यवाद। अध्यक्ष जी, अलीगढ़ में स्थिति बहुत अफसोसनाक है। पिछले तीन साल में चार बार यूनिवर्सिटी को बंद किया जा चुका है। नौजवान छात्र-छात्राओं का भविष्य अधर में लटका हुआ है। यूनिवर्सिटी जिसको भारत का संविधान राष्ट्रीय महत्व का इदारा संस्था करार देता है। उस नेशनल इम्पॉर्टेन्स के इंस्टीटयूशन को पार्लियामेंट के पास किये हुए कानून के मुताबिक जिस तरह यूनिवर्सिटी की संस्थाएं, बॉडीज चलनी चाहिए, कोर्टस और जो दूसरी बॉडीज है, उन सबकी फंकशनिंग को सस्पेंड कर दिया गया है। यह अकेला अलीगढ़ का मामला नहीं है। श्रीमन्, हम पिछले तीन दिन से कह रहे हैं कि माइनोरिटीज के ताल्लुक से लगातार इस सरकार के चलते हुए ऐसा मैसेज जा रहा है जैसे एडमिनिस्ट्रेशन को भी कह दिया गया है कि जहां माइनोरिटीज का उत्पीड़न किया जाए, उसमें चाहे अली मियां के घर पर छापा हो या क़िस्चियन्स के घरों पर छापे हों, उनको जान से मारने का मामला हो। महोदय, राजकोट में तीन सौ बाइबिलों को जलाया गया है

... (व्यवधान)

श्रीमन्, राजकोट में तीन सौ बाइबिलों को जलाया गया है।

... (व्यवधान)

श्री तपन सिकदर (दमदम): यह बात ठीक नहीं है।

... (व्यवधान)

आप अलीगढ़ मुस्लिम यूनिवर्सिटी पर बोल रहे थे

... (व्यवधान)

श्री आरिफ मोहम्मद खां : अध्यक्ष महोदय, यह राजकोट में जली हुई बाइबिल है, यह आपके सामने हैं,

... (व्यवधान)

Sir, the minorities have been subjected to persecution. (Interruptions)
SHRI TAPAN SIKDAR : You have raised the Aligarh Muslim University issue. Please speak only on that. (Interruptions)
SHRI ARIF MOHAMMAD KHAN : The issue of burning the Bible is as important as the Aligarh Muslim University issue. For that matter, the Bible is as important as any other religious book. (Interruptions)
SHRI TAPAN SIKDAR : Sir, the issue of burning the Bible in Gujarat is a concocted story. I visited the place. (Interruptions)
SHRI ARIF MOHAMMAD KHAN : Do not divide the minorities. It is equally distressing to see the atrocities committed on the Christians. (Interruptions)
SHRI TAPAN SIKDAR : Sir, this is not correct..(Interruptions)
MR. SPEAKER: I have called the hon. Minister Shri Khurana to speak please.
... (Interruptions)

श्री आरिफ मोहम्मद खां : इसलिए मैं आपके माध्यम से सरकार से मांग करना चाहता हूं कि माइनोरिटीज का जो उत्पीड़न हो रहा है, उस पर रोक लगायें।

... (व्यवधान)

MR. SPEAKER: Please take your seat.
... (Interruptions)

श्री मदन लाल खुरानाः अभी माननीय सदस्य द्वारा जो मामला उठाया गया ... (व्यवधान)

श्री रामदास आठवले (मुम्बई उत्तर-मध्य) : अध्यक्ष महोदय, आप इनको बोलने दीजिए।

... (व्यवधान)

MR. SPEAKER: Please take your seat.
... (Interruptions)

श्री मदन लाल खुरानाः अभी मुस्लिम यूनीवर्सिटी का मामला उठा

... (व्यवधान)

वहां जो समस्याएं हैं,

... (व्यवधान)

यह एडमिनिस्ट्रेशन का मामला है। मैं आपकी जानकारी

के लिए बता दूं कि हमारी वहां की एम.पी. श्रीमती शीला गौतम हैं। वे उन तथ्यों को लेकर प्रधान मंत्री जी और मानव संसाधन मंत्री से मिल चुकी हैं। उस समस्या को ... (व्यवधान)

श्री जी.एम. बनातवाला : कोई नतीजा नहीं निकल रहा है।

... (व्यवधान)

श्रीमती शीला गौतम (अलीगढ़): नतीजा निकल रहा है लेकिन आप निकलने नहीं देते हैं।

... (व्यवधान)

MR. SPEAKER: Please let him complete. This is not proper. Let him complete.
... (Interruptions)
MR. SPEAKER: Nothing will go on record except what the hon. Minister says.
(Interruptions)*
MR. SPEAKER: Let him complete, Mr. Fatmi. What is this?
... (Interruptions)

श्रीमती शीला गौतम : आप लोग हवा दे रहे हैं, निकलने नहीं दे रहे हैं। ... (व्यवधान)

श्री मदन लाल खुरानाः मेरा कहना है कि यह मामला प्रशासनिक मामला है। यूनीवर्सिटी के अंदर का मामला है। मुस्लिम यूनीवर्सिटी हो या हिन्दू यूनीवर्सिटी हो, उसको साम्प्रदायिकता के साथ न जोड़ा जाये।

... (व्यवधान)

जो आपकी भावनायें हैं, उसको मैं मानव संसाधन मंत्री के पास पहुंचा दूंगा।

... (व्यवधान)

MR. SPEAKER: Please listen. He is giving the reply. What is this?
... (Interruptions)
MR. SPEAKER: He is giving the reply. Please take your seat.
... (Interruptions)
MR. SPEAKER: Now, the Minister is giving the reply. What is this going on? Are you objecting to the Minister replying to this?
... (Interruptions)
MR. SPEAKER: Now, please take your seat.

श्री मदन लाल खुरानाः मेरा कहना है कि मैं माननीय सदस्यों की भावनाओं को मानव संसाधन मंत्री के पास पहुंचा दूंगा।

... (व्यवधान)

मैं उनसे बात करूंगा कि वे इस बारे में कोई स्टेटमैंट दें।

... (व्यवधान)

लेकिन मेरा निवेदन है कि इस तरह के मामलों को, अब राम विलास पासवान जी ने यह कहा कि आप पहले सीरियसली जवाब दें। वे खुद तो अखबारों में पढ़ी हुई बात को, हर इश्यू को साम्प्रदायिकता का मामला देकर, जब इन्होंने बी.ए.सी. के अंदर मामला उठाया कि माइनोरिटीज के ऊपर अन्याय हो रहा है तो हमने उस इश्यू पर चर्चा कराने की बात मान ली।

... (व्यवधान)

मंडे को करा लीजिए। लेकिन यह कोई भी मौका नहीं जाने देंगे

... (व्यवधान)

हर इश्यू के साथ साम्प्रदायिकता जोड़ना, हर इश्यू के साथ उभारने वाली बातें करना, इस पर मुझे एतराज है।

... (व्यवधान)

MR. SPEAKER: What is this going on here? The Minister is replying. What is this going on?
... (Interruptions)

श्री राम विलास पासवान : अली मियां का क्या हुआ?

श्री मदन लाल खुरानाः मैंने कहा कि हम जवाब देंगे।

... (व्यवधान)

मंडे को आपका इश्यू रखा है।

... (व्यवधान)

श्री राम विलास पासवान : अली मियां के घर पर छापामारी हुई।

... (व्यवधान)

श्री मदन लाल खुरानाः मेरी खुद बात हुई है।

... (व्यवधान)

यू.पी. के होम मिनिस्टर का कहना है कि मेरी जानकारी में कोई छापामारी नहीं हुई है।

... (व्यवधान)

यू.पी. के चीफ मिनिस्टर से मैंने खुद बात की है।

... (व्यवधान)

... (Interruptions)
MR. SPEAKER: Shrimati Suryakanta Patil.
... (Interruptions)
MR. SPEAKER: The hon. Minister has already given the reply. He is asking the HRD Minister also about this.
... (Interruptions)
MR. SPEAKER: Hon. HRD Minister is also going to make a statement in the House.
... (Interruptions)
MR. SPEAKER: The Minister is going to give a reply. Please understand. Please take your seat. Shri Fatmi, what is this? Please take your seat.
... (Interruptions)

MR. SPEAKER: Shri Ahamed, please take your seat.

... (Interruptions)

MR. SPEAKER: Shrimati Suryakanta Patil please.

... (Interruptions)

MR. SPEAKER: Please take your seat first.

... (Interruptions)

MR. SPEAKER: Shri Banatwalla, please take your seat. This is not good. Shri Banatwalla, please take your seat.

... (Interruptions)

MR. SPEAKER: Please take your seat.

... (Interruptions)

MR. SPEAKER: What is this? You are all senior Members.

... (Interruptions)

श्री शरद पवार : इन्होंने क्या जवाब दिया है।

... (व्यवधान)

The University is closed for so many months. Goondas are used to beat the students. These are the allegations of the students. The Vice-Chancellor and the Government of India are not ready to take any decision for months together. I am not able to understand the reply of the hon. Minister.

श्री मदन लाल खुरानाः मैं कह रहा हूं कि कल स्टेटमैंट देंगे।

... (व्यवधान)

SHRI SHARAD PAWAR : When?

श्री मदन लाल खुरानाः कल। मैं कह तो रहा हूं कि कल स्टेटमैंट देंगे। ... (व्यवधान) अब मैं उनकी तरफ से कैसे कह दूं।

... (व्यवधान)

SHRI N.K. PREMACHANDRAN (QUILON): Sir, I have given a notice.